अमर उजाला

खूब निखरेगा जरदोजी का हुनर

जरदोजी कारीगरों को द्रोपदी ट्रस्ट सिखाएगी नई तकनीक

फर्रुखाबाद। द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा ने कहा कि जिले के जरदोजी कारीगर आधुनिक तकनीक से प्रशिक्षित कर उन्हें एक्सपोर्ट कंपनी और फैशन हाउस से लिंक किया जाएगा। इसके लिए उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पंचशील शिक्षा निकेतन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि जिले में जरदोजी कारोबार में व्यापक संभावनाएं हैं। यहां की जरदोजी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धमक बनाए है। जरदोजी कारीगरों के लिए प्रशिक्षण योजना बनाई गई है। उन्होंने दिल्ली के पैटर्न पर जरदोजी प्रशिक्षण के लिए चिक साफ्टवेयर की लांचिंग की है। इसमें नई तकनीक से डिजाइन बनाकर जरदोजी कारीगर अपने हुनर को निखार सकते हैं। एक वर्ष में 60 मास्टर कारीगर प्रशिक्षित किए जाने की योजना है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन फार्म 15 अप्रैल तक आ जाएंगे। एक घंटे के प्रशिक्षण में कारीगरों का कामधंधा भी नहीं प्रभावित होगा। वार्ता में डा. रामकृष्ण राजपूत, डा. मोहम्मद मोहसिन, पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत, भावना आदि मौजूद रहीं।

अमर उजाला

पत्रकारों से हुए मुखातिब।

पायनियर
रविवार, 10 अप्रैल, 2011

डिजिटल पेन से कम्प्यूटर पर तैयार होगा खाका

फर्रुखाबाद। कम्प्यूटर के माध्यम से जरदोजी का तीन माह का प्रशिक्षण यहां उन हुनरमंद कारीगरों को दिया जायेगा जिनकी उंगली की कलाकृतियां नष्ट हो गई थी। अब उन्हें सजोने के लिए डिजिटल पेन से कम्प्यूटर पर खाका तैयार किया जायेगा जिसकी भारत के बाजारों सहित विदेशों में भी मांग है। द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा ने बताया कि कारीगर का हुनर जीवित रखने के लिए अब कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी से खाका

जरदोजी कारीगरों को द्रोपदी ट्रस्ट देगा प्रशिक्षण

तैयार करवाया जायेगा। यह खाका कभी नष्ट नहीं होगा। कम्प्यूटर से डिजाइनिंग एक बहुत बड़ा जरिया है। बड़े- बड़े फैशन संस्थानों में इसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां एक वर्ष में 50 से 60 लोगों को तीन माह का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसे सीखने के बाद कारीगर अपने हुनर का इस्तेमाल करेगा। इनके लिए यहां के मुजम्मिल हुसैन रहमानी के प्रतिष्ठान पर परीक्षण भी किया जा चुका है जिसे स्थानीय कारीगरों ने पसंद किया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के पैटर्न पर शहर में जरदोजी प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया जायेगा। जिससे यहां के कारीगर डिजिटल पेन से खाका तैयार करेंगे और उसकी विश्व के बाजारों में मांग होगी। यह डिजिटल खाका कभी नष्ट नहीं होगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद खाका ऑनलाइन वेबसाइट भी तैयार की जायेगी। इस दौरान डा. राम कृष्ण राजपूत, डा. मोहम्मद मोहसिन, पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत मौजूद रही।

parliament